नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

नं. 1

संजीव®

बुक्स

भूगोल-XII

(1) मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त (भाग-1) एवं
(2) भारत : लोग और अर्थव्यवस्था (भाग-2)

(प्रायोगिक कार्य सहित)

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2024 का प्रश्न-पत्र
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2025

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 400/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 400.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

  *****

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय–सूची

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त (भाग-1)

इकाई 1.

1. मानव भूगोल—प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र 1–12

इकाई 2.

2. विश्व जनसंख्या—वितरण, घनत्व और वृद्धि 13–27
3. मानव विकास 28–38

इकाई 3.

4. प्राथमिक क्रियाएँ 39–61
5. द्वितीयक क्रियाएँ 62–79
6. तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 80–96
7. परिवहन एवं संचार 97–115
8. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार 116–126

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **127–146**

भारत–लोग और अर्थव्यवस्था (भाग-2)

इकाई I.

1. जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन 147–162

इकाई II.

2. मानव बस्तियाँ 163–171

इकाई III.

3. भूसंसाधन तथा कृषि 172–192
4. जल-संसाधन 193–206
5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 207–220
6. भारत के सन्दर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास 221–230

इकाई IV.

7. परिवहन तथा संचार 231–244

8. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार 245–253

इकाई V.

9. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ 254–264

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **265–280**

भूगोल प्रायोगिक

1. आँकड़े : स्रोत और संकलन 281–292

2. आँकड़ों का प्रक्रमण 293–301

3. आँकड़ों का आलेखी निरूपण 302–320

4. स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी 321–328

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

भूगोल
(GEOGRAPHY)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 56**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न क्रमांक 19 से 20 मानचित्र कार्य से संबंधित हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।
8. विश्व एवं भारत के उपलब्ध कराए गए रेखा-मानचित्रों को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

खण्ड-अ (Section-A)

1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
Write the correct answer to the given multiple choice questions in the answer booklet.

(i) ''मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील सम्बन्धों का अध्ययन है।'' मानव भूगोल की यह परिभाषा किसने दी? [½]
(अ) रैटजेल (ब) सेंपल (स) ब्लाश (द) ग्रिफ़िथ टेलर

(ii) प्रवास का प्रतिकर्ष कारक है— [½]
(अ) बेहतर अवसर (ब) स्थायित्व (स) अनुकूल जलवायु (द) बेरोजगारी

(iii) कौनसा कथन सत्य है— [½]
(अ) आखेट व भोजन संग्रह द्वितीयक क्रियाएँ हैं।
(ब) भूमध्यसागरीय कृषि खट्टे फलों के लिए प्रसिद्ध है।
(स) मिश्रित कृषि में केवल पशुपालन होता है।
(द) निर्वाह कृषि कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में होती है।

(iv) उपलब्ध कच्चे माल का रूप बदलकर उसे मूल्यवान बनाना कौनसी क्रिया का हिस्सा है— [½]
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) तृतीयक (द) चतुर्थक

(v) विश्व का सघनतम रेलतंत्र कहाँ मिलता है? [½]
(अ) यूरोप (ब) अफ्रीका (स) आस्ट्रेलिया (द) एशिया

(vi) भारत की पहली जनगणना कब हुई थी? [½]
(अ) 1872 (ब) 1881 (स) 1891 (द) 1861

(vii) पान्ना, पाडा, पाली, नगला इत्यादि किसके प्रकार हैं? [½]
(अ) पल्ली बस्तियाँ (ब) चावल की किस्म (स) गुच्छित बस्तियाँ (द) ग्रामीण सड़कें

(viii) रबी की फसल है— [½]
(अ) चावल (ब) बाजरा (स) कपास (द) सरसों

(ix) वे सड़कें जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा निर्मित व अनुरक्षित किया जाता है, कहलाती है— [½]
(अ) राष्ट्रीय राजमार्ग (ब) राज्य राजमार्ग (स) जिला सड़कें (द) ग्रामीण सड़कें

(x) समय के दो अन्तरालों के बीच एक क्षेत्र विशेष में होने वाले जनसंख्या परिवर्तन को जाना जाता है? [½]

(अ) जनसंख्या प्रवास (ब) जनसंख्या घनत्व (स) जनसंख्या वृद्धि (द) जनसंख्या वितरण

(xi) मलेशिया व इंडोनेशिया में की जाने वाली स्थानान्तरित कृषि का क्या नाम है? [½]

(अ) झूमिंग (ब) मिल्पा (स) रोका (द) लादांग

(xii) वृहत् झील आन्तरिक जलमार्ग स्थित है— [½]

(अ) उत्तरी अमेरिका (ब) ब्राजील (स) एशिया (द) अफ्रीका

(xiii) भारतीय जनगणना में ऋणात्मक वृद्धि दर वाला दशक है— [½]

(अ) 1901-1911 (ब) 1911-1921 (स) 1921-1931 (द) 1931-1941

(xiv) अपरम्परागत ऊर्जा स्रोत है— [½]

(अ) कोयला (ब) पेट्रोल (स) प्राकृतिक गैस (द) सौर ऊर्जा

(xv) भारत के सड़क जाल का विश्व में स्थान है— [½]

(अ) पहला (ब) दूसरा (स) तीसरा (द) चौथा

(xvi) चमड़ा, लुगदी व कागज, वस्त्र तथा रसायन उद्योग प्रमुखत: कौनसे प्रदूषण के कारक हैं? [½]

(अ) जल (ब) वायु (स) ध्वनि (द) भू

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the blanks) :

(i) ..... ने नवनिश्चयवाद संकल्पना प्रस्तुत की। [½]

..... introduced concept of neo-determinism.

(ii) भौतिक भूगोल ..... पर्यावरण का अध्ययन करता है। [½]

Physical geography studies ..... environment.

(iii) जब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं तो वह स्थान जहाँ से लोग गमन करते हैं ..... कहलाता है। [½]

When people move from one place to another, the place they move from is called the ..... .

(iv) जनवरी 1995 में गेट (GATT) को ..... में रूपान्तरित कर दिया गया। [½]

The GATT was transformed into the ..... from January, 1995.

(v) जल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे तरल एवं गैसीय पदार्थों के परिवहन के लिए ..... का प्रयोग किया जाता है। [½]

..... are used to transport liquids and gases such as water, petroleum and natural gas.

(vi) सन् 2011 की जनगणना के अनुसार ..... भारत का द्वितीय सघनतम जनसंख्या वाला राज्य था। [½]

As per 2011 census ..... was the second most densely populated state in India.

(vii) भारत में नगरों का अभ्युदय ..... काल से हुआ है। [½]

Towns flourished since ..... times in India.

(viii) खरीफ की फसलें ..... मानसून के साथ बोयी जाती हैं। [½]

The Kharif season crops coincides with ..... monsoon.

(ix) धरातलीय और भौम जल का सर्वाधिक उपयोग ..... में होता है। [½]

..... accounts for most of the surface and groundwater utilisation.

(x) हेमेटाइट व मैग्नेटाइट ..... के अयस्क हैं। [½]

Haematite and magnetite are ores of ..... .

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Questions) :

(i) जनसंख्या प्रवास क्या है? [1]

What is population migration?

(ii) द्वि-पार्श्विक व्यापार को परिभाषित कीजिए। [1]
Define Bilateral Trade.

(iii) मानव निर्मित नौ वाहन नहर कौनसी है जिसमें जलबंधक तंत्र मिलता है? [1]
Which is the man made Navigation Canal, having locks system?

(iv) सुदूर जंगलों तथा पहाड़ी ढलानों पर एकाकी झोंपड़ियों के रूप में विकसित होने वाली बस्तियों को क्या नाम दिया गया है? [1]
What name is given to the settlements, that develop in remote jungles and slopes in the form of isolated huts.

(v) मानव विकास सूचकांक से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by Human Development Index?

(vi) जल परिवहन सस्ता क्यों है? [1]
Why is water transport cheaper?

(vii) एक उत्तरदायी नागरिक होने के नाते मानव-जनित भू-निम्नीकरण प्रक्रिया को कैसे रोकेंगे? [1]
Being a responsible citizen, how will we stop the man-made land degradation process?

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Questions) :

4. आर्थिक भूगोल के दो उपक्षेत्रों के नाम लिखिए। [$^3/_4+^3/_4=1^1/_2$]
Write names of two sub fields of Economic geography.

5. कोलखहोज़ क्या है? [$1^1/_2$]
What is Kolkhoz?

6. पशु आधारित दो उद्योगों के नाम लिखिए। [$^3/_4+^3/_4=1^1/_2$]
Write two names of animal based industries.

7. भारत में बोले जाने वाले किन्हीं तीन भाषा परिवारों के नाम लिखिए। [$^1/_2+^1/_2+^1/_2=1^1/_2$]
Write names of any three language families spoken in India.

8. शुष्क भूमि कृषि किसे कहते हैं? [$1^1/_2$]
What is dry land farming?

9. जल प्रदूषण के दुष्परिणाम बताइए। [$1^1/_2$]
Explain the bad effects of water pollution.

10. रेल पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेलवे के कौन-कौनसे वर्ग बनाए गए हैं? [$1^1/_2$]
Which categories of Indian Railways have been made on the basis of track width?

11. समुद्री पत्तनों को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार क्यों कहते हैं? [$1^1/_2$]
Why are sea ports called gateways to international trade?

12. प्रवास के पीछे लोगों के क्या-क्या उद्देश्य रहते हैं? [$1^1/_2$]
What are the motives of people behind migration?

13. ''ट्रक कृषि'' पर टिप्पणी लिखिए। [$1^1/_2$]
Write a short note on "Truck farming".

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions) :

14. ग्रामीण विपणन केन्द्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]
Write characteristics of Rural marketing centres.

अथवा/OR

नगरीय बाजार केन्द्रों से क्या आशय है? संक्षिप्त में समझाइए।
What is the meaning of Urban marketing centres? Explain in brief.

15. आपके अनुसार भू-उपयोग को प्रभावित करने वाले अर्थव्यवस्था के तीन परिवर्तनों को समझाइए। [1+1+1=3]
According to you explain the three changes that an economy undergoes, which effect land use.

अथवा/OR

भारत में वन क्षेत्रों, गैर कृषि कार्यों तथा परती भूमि में वृद्धि के कारणों की समीक्षा कीजिए।
Review the reasons for increase in land area under forest, non-agricultural and a fallow land in India.

16. भारत में सौर ऊर्जा व पवन ऊर्जा का वर्णन कीजिए। [1½+1½=3]
Describe solar energy and wind energy in India.

अथवा/OR

भारत में खनिज की किन्हीं दो पेटियों का वर्णन कीजिए।
Describe any two mineral belts in India.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay Type Questions) :

17. रोपण कृषि की चार फसलों के नाम लिखते हुए इस कृषि की तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [1+3=4]
Write the names of four crops of plantation agriculture and describe that characteristics of this agriculture.

अथवा/OR

गहन निर्वाह कृषि किसे कहते हैं? चावल प्रधान गहन निर्वहन कृषि की तीन विशेषताएँ लिखिए।
What is intensive Subsistence Agriculture? Write three characteristics of intensive subsistence agriculture dominated by wet paddy cultivation.

18. नियोजन से आप क्या समझते हो? पर्वतीय क्षेत्र के विकास के लिए तीन सुझाव दीजिए। [1+3=4]
What do you understand by planning? Give three suggestions for the development of Hill area.

अथवा/OR

सतत पोषणीय विकास क्या होता है? सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के लिए तीन उपाय बताइए।
What is sustainable development? Give three suggestions to promote sustainable development.

खण्ड-य (Section-E)

19. दिए गए विश्व के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित समुद्री पत्तनों को अंकित कीजिए— [½+½+½+½=2]
(अ) मुंबई (ब) न्यूयार्क (स) पर्थ (द) केप टाउन
Mark the following sea ports on the given outline map of the world.
(A) Mumbai (B) New York (C) Perth (D) Cape Town

20. दिए गए भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित तेल शोधन कारखानों को अंकित कीजिए— [½+½+½+½=2]
(अ) कोयली (ब) बीना (स) मंगलूरू (द) चेन्नई
Mark the following oil refineries on the given outline map of the India.
(A) Koyali (B) Bina (C) Mangaluru (D) Chennai

❐❐❐

भूगोल–कक्षा 12 (भाग-1)

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

इकाई 1.

1. मानव भूगोल—प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र

पाठ-सार

मानव भूगोल की प्रकृति—भौतिक भूगोल भौतिक पर्यावरण का अध्ययन करता है, जबकि मानव भूगोल 'भौतिक/प्राकृतिक पर्यावरण तथा मानवीय जगत् के बीच सम्बन्ध, मानवीय घटनाओं का स्थानिक वितरण तथा उनके घटित होने के कारण एवं विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करता है।' भौतिक पर्यावरण के अंग हैं, यथा—स्थलाकृति, मृदा, जलवायु, जल तथा प्राकृतिक वनस्पति आदि।

मनुष्य का प्राकृतिकरण और प्रकृति का मानवीकरण—मनुष्य अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण से अन्योन्य क्रिया करता है। प्रौद्योगिकी किसी समाज में सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है। प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए प्रकृति का ज्ञान महत्त्वपूर्ण है और प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है। प्राकृतिक पर्यावरण से अन्योन्य क्रिया की आरम्भिक अवस्थाओं में मानव इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ था। उन्होंने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया, क्योंकि प्रौद्योगिकी का स्तर अत्यन्त निम्न था और मानव के सामाजिक विकास की अवस्था भी आदिम थी।

आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच इस प्रकार की अन्योन्य क्रिया को 'पर्यावरणीय निश्चयवाद' (वातावरण निश्चयवाद) कहा गया।

प्रारम्भिक अवस्था में प्रकृति और मनुष्य के सम्बन्ध—प्रारम्भिक अवस्था में प्रकृति और मनुष्य के पारस्परिक सम्बन्धों में मनुष्य प्रकृति से अधिक प्रभावित था। वह प्रकृति के अनुसार चलता था। ऐसे समाजों के लिए भौतिक पर्यावरण 'माता-प्रकृति' के समान था। समय के साथ मनुष्य ने प्रकृति तथा प्राकृतिक शक्तियों को पहचानना शुरू कर दिया। सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के फलस्वरूप मनुष्य ने बेहतर तकनीक का विकास कर लिया। वह स्वतन्त्रता की स्थिति के लिए आगे बढ़ने लगा।

सम्भववाद—मानव ने संसाधनों से सम्भावनाओं की जानकारी प्राप्त कर ली। मानव क्रियाओं की छाप को प्रत्येक स्थान पर देखा जा सकता है। उच्च स्थानों पर स्वास्थ्य विश्रामस्थल, विशाल नगरीय विस्तार, चरागाह, उद्यान आदि पर्वतों और मैदानों में देखे जा सकते हैं। तटीय भागों में बन्दरगाह, महासागरीय मार्ग तथा अन्तरिक्ष में उपग्रह आदि ये सभी मानव क्रियाएँ हैं। आरम्भिक विद्वानों ने इसे 'सम्भववाद' का नाम दिया। मानव-वातावरण अन्तर्सम्बन्धों की इस विचारधारा के अनुसार प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मनुष्य इनका लाभ उठाता है। इस प्रकार धीरे-धीरे प्रकृति मानवकृत हो जाती है और मानव छाप उस पर पड़नी शुरू हो जाती है।

नवनिश्चयवाद—ग्रिफिथ टेलर ने मानव प्रकृति के सम्बन्ध में मध्यम मार्ग की खोज की। यह पर्यावरणीय नियतिवाद और संभववाद के मध्य था। उन्होंने इसे 'नव निश्चयवाद अथवा रुको व जाओ निश्चयवाद' कहा। इस विचारधारा के अनुसार न तो पर्यावरणीय नियतिवाद की स्थिति रहती है और न ही संभववाद की स्थिति रहती है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्राकृतिक नियमों का पालन करते हुए मनुष्य अपने प्रयास से प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है।

मानव भूगोल के क्षेत्र और उप-क्षेत्र—मानव भूगोल मानव जीवन के सभी तत्त्वों तथा अन्तराल जिसके अन्तर्गत वे घटित होते हैं, के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करने का प्रयास करती है। इस प्रकार मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अन्तर- विषयक है। मानवीय तत्त्वों को समझने व उनकी व्याख्या करने के लिए मानव भूगोल सामाजिक

विज्ञानों के सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अन्तरापृष्ठ विकसित करता है। इसके उपक्षेत्रों के मध्य सीमाएँ प्राय: अतिव्यापी होती हैं। मानव भूगोल का विकास निम्न छह अवस्थाओं के अन्तर्गत हुआ है—

	समय अवधि	उपागम
(i)	आरम्भिक उपनिवेश युग	अन्वेषण एवं विवरण
(ii)	उत्तर उपनिवेश युग	प्रादेशिक विश्लेषण
(iii)	अन्तर युद्ध अवधि के बीच 1930 का दशक	क्षेत्रीय विभेदन
(iv)	वर्ष 1950 के दशक के अन्त से 1960 के दशक के अन्त तक	स्थानिक संगठन
(v)	1970 का दशक	मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं का उदय
(vi)	1990 का दशक	भूगोल में उत्तर-आधुनिकवाद

भौगोलिक शब्द

1. मानव भूगोल—वह भूगोल जो भौतिक पर्यावरण तथा मानव-जनित सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण के अन्तर्सम्बन्धों का अध्ययन उनकी परस्पर अन्योन्यक्रिया के द्वारा करता है।

2. पर्यावरण—वे प्राकृतिक परिस्थितियाँ जिनमें मनुष्य रहता है तथा जिनसे वह प्रभावित होता है।

3. पर्यावरणीय निश्चयवाद—मानव शक्तियों की तुलना में प्राकृतिक शक्तियों की प्रधानता मानने वाली विचारधारा। इस विचारधारा के अनुसार आदिम मानव समाज ने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया।

4. संभववाद—मानव-प्राकृतिक वातावरण के अन्तर्सम्बन्धों की यह विचारधारा मानवीय चयन या स्वतंत्रता को महत्त्व देती है।

5. मानवतावाद—वह अध्ययन जिसमें मानव जागृति, मानव संसाधन, मानव चेतना तथा मानव की सृजनात्मकता के सन्दर्भ में मनुष्य की केन्द्रीय एवं क्रियाशील भूमिका पर जोर दिया जाता है।

6. नव-निश्चयवाद अथवा नव-नियतिवाद—इस विचारधारा के अनुसार मानव भूगोल में नियतिवाद तथा सम्भववाद की चरम स्थितियों के बीच मध्यम मार्ग का अनुसरण किया जाता है। इसके अनुसार प्राकृतिक नियमों का पालन कर मानव प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है।

7. प्रत्यक्षवाद—वह विचारधारा जिसमें मात्रात्मक विधियों के उपयोग पर जोर दिया गया है जिससे विभिन्न कारकों के भौगोलिक प्रतिरूपों के अध्ययन के समय विश्लेषण को अधिक वस्तुनिष्ठ बनाया जा सका।

8. कल्याणपरक विचारधारा—इस विचारधारा से तात्पर्य मानव भूगोल में पूँजीवाद से उत्पन्न ऐसी सामाजिक समस्याओं का समावेश है, जिसमें सामाजिक तथा प्रादेशिक असमानता, निर्धनता, नगरीय गन्दी बस्तियों आदि का अध्ययन किया जाता है जिससे उसके निराकरण पर जोर दिया जा सके।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

प्रश्न 1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए—

(i) निम्नलिखित कथनों में से कौनसा एक भूगोल का वर्णन नहीं करता?
(क) समाकलनात्मक अनुशासन
(ख) मानव और पर्यावरण के बीच अन्तर-सम्बन्धों का अध्ययन
(ग) द्वैधता पर आश्रित
(घ) प्रौद्योगिकी के विकास के फलस्वरूप आधुनिक समय में प्रासंगिक नहीं।

(ii) निम्नलिखित में से कौनसा एक भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?
(क) यात्रियों के विवरण
(ख) प्राचीन मानचित्र
(ग) चन्द्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने
(घ) प्राचीन महाकाव्य।

(iii) निम्नलिखित में कौनसा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्य क्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?
(क) मानव बुद्धिमत्ता (ख) प्रौद्योगिकी
(ग) लोगों के अनुभव
(घ) मानवीय भाईचारा।

(iv) निम्नलिखित में से कौनसा एक मानव भूगोल का उपगमन नहीं है?

(क) क्षेत्रीय विभिन्नता

(ख) मात्रात्मक क्रान्ति

(ग) स्थानिक संगठन (घ) अन्वेषण और वर्णन।

उत्तर—(i) (घ) (ii) (ग) (iii) (ख) (iv) (ख)।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

(i) मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए।

उत्तर—रैटजेल के अनुसार, ''मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन है।''

इस प्रकार ''मानव भूगोल वह विज्ञान है, जिसके अन्तर्गत मनुष्य और उनके भौतिक वातावरण के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है।''

(ii) मानव भूगोल के कुछ उप-क्षेत्रों के नाम बताइये।

उत्तर—व्यवहारवादी भूगोल, सामाजिक कल्याण का भूगोल, अवकाश का भूगोल, सांस्कृतिक भूगोल, लिंग भूगोल, ऐतिहासिक भूगोल, चिकित्सा भूगोल, निर्वाचन भूगोल, सैन्य भूगोल, संसाधन भूगोल, कृषि भूगोल, उद्योग भूगोल, विपणन भूगोल, पर्यटन भूगोल तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल, मानव भूगोल के महत्त्वपूर्ण उप-क्षेत्र हैं।

(iii) मानव भूगोल किस प्रकार अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्धित है?

उत्तर—वस्तुतः मानव भूगोल के अन्तर्गत भू-पटल के विभिन्न भागों में प्राकृतिक वातावरण के सन्दर्भ में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययन को प्रधानता दी जाती है। चूँकि मानव मानवीय समाज की एक महत्त्वपूर्ण इकाई है अतः मानव भूगोल का उन सभी सामाजिक विज्ञानों से स्वतः सम्बन्ध हो जाता है, जो अपने अध्ययनों में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययनों को प्रधानता देते हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(i) मानव के प्राकृतीकरण की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—मानव का प्राकृतीकरण—मनुष्य अपने भौतिक पर्यावरण से अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से ही अन्योन्य क्रिया करता है। प्रौद्योगिकी ही किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है। मानव प्रकृति के नियमों को बेहतर ढंग से समझने के बाद ही प्रौद्योगिकी का विकास कर पाया। उदाहरण के लिए, घर्षण और ऊष्मा की संकल्पनाओं ने अग्नि की खोज में हमारी सहायता की। अतः प्रकृति का ज्ञान प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है तथा प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है।

प्राकृतिक पर्यावरण/वातावरण से अन्योन्य क्रिया की आरम्भिक अवस्थाओं में मानव इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ था। उन्होंने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया था क्योंकि उस समय प्रौद्योगिकी का स्तर अत्यन्त निम्न था और मानव के सामाजिक विकास की अवस्था भी आदिम थी। प्रौद्योगिकी विकास की उस अवस्था में मानव अपने प्राकृतिक पर्यावरण के साथ पूर्णतः सामंजस्य बनाए हुए था। वह प्रकृति को एक शक्तिशाली बल, पूज्य, संरक्षित तथा सत्कार योग्य मानता था। अपने सतत पोषण हेतु मानव प्राकृतिक संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर था। इनके लिए भौतिक पर्यावरण 'माता-प्रकृति' के समान था। यह प्रक्रिया ही मानव का प्राकृतीकरण कहलाती है।

आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच इस प्रकार की अन्योन्य क्रिया को जर्मन भूगोलवेत्ताओं ने 'पर्यावरणीय निश्चयवाद' का नाम दिया।

(ii) मानव भूगोल के विषय-क्षेत्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर—मानव भूगोल का विषय-क्षेत्र

मानव भूगोल, मानव जीवन के सभी तत्वों तथा अंतराल, जिसके अन्तर्गत वे घटित होते हैं, के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करने का प्रयत्न करती है। इस प्रकार मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अंतर-विषयक है। पृथ्वी तल पर पाए जाने वाले मानवीय तत्वों को समझने व उनकी व्याख्या करने के लिए मानव भूगोल, सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अंतरापृष्ठ विकसित करती है।

अतः मानव द्वारा अपने प्राकृतिक वातावरण के सहयोग से जीविकोपार्जन करने के क्रियाकलापों से लेकर उसकी उच्चतम आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किये गये सभी प्रयासों का अध्ययन मानव भूगोल के विषय क्षेत्र में आता है। इस प्रकार पृथ्वी पर जो भी दृश्य मानवीय क्रियाओं द्वारा निर्मित है, वे सभी मानव भूगोल के विषय क्षेत्र में सम्मिलित हैं। मानव भूगोल के विषय क्षेत्र, उपक्षेत्र तथा सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी विषयों से मानव भूगोल के सम्बन्धों को आगे दी गई तालिका में प्रस्तुत किया गया है—

तालिका : मानव भूगोल और सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनुशासन

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के संबंधित सहयोगी विषयों से संबंध
सामाजिक भूगोल	—	सामाजिक विज्ञान—समाजशास्त्र
	व्यवहारवादी भूगोल	मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भूगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	अवकाश का भूगोल	समाजशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल	मानव विज्ञान
	लिंग भूगोल	समाजशास्त्र, मानव विज्ञान, महिला अध्ययन
	ऐतिहासिक भूगोल	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल	महामारी विज्ञान
नगरीय भूगोल	—	नगरीय अध्ययन और नियोजन
राजनीतिक भूगोल	—	राजनीति विज्ञान
	निर्वाचन भूगोल	—
	सैन्य भूगोल	सैन्य विज्ञान
जनसंख्या भूगोल	—	जनांकिकी
आवास भूगोल	—	नगर/ग्रामीण नियोजन
आर्थिक भूगोल	—	अर्थशास्त्र
	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औद्योगिक अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यावसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन
	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

इस प्रकार मानव भूगोल के अन्तर्गत पृथ्वी के विभिन्न प्रदेशों के भौगोलिक वातावरण एवं लगातार विकासशील तथा गतिशील मानव समूहों के अन्तर्सम्बन्धों में मानवीय क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। अत: मानव भूगोल का विषय-क्षेत्र बहुत व्यापक है। सारांश में निम्नलिखित प्रमुख तथ्यों को मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र में शामिल किया जाता है—

(i) मानव भूगोल का अर्थ, उद्देश्य, अध्ययन क्षेत्र, सिद्धान्त, अध्ययन उपागम एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।

(ii) प्राकृतिक वातावरण के विभिन्न तत्वों का अध्ययन तथा मानव क्रियाकलापों पर इन तत्वों का प्रभाव आदि।

(iii) मानव का उद्गम क्षेत्र, प्रजातियाँ और विश्व वितरण।

(iv) जनसंख्या घनत्व, वितरण, वृद्धि, संरचना एवं समस्याएँ आदि।

(v) मानव अधिवास—ग्रामीण व नगरीय अधिवास प्रतिरूप, प्रकार, परिवहन के साधन आदि।

(vi) मानव की अर्थव्यवस्थाएँ—ऐतिहासिक विकास, प्रकार एवं विश्व वितरण आदि।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

1. आर्थिक भूगोल का उपक्षेत्र है—
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2023)
(अ) संसाधन भूगोल (ब) सैन्य भूगोल
(स) चिकित्सा भूगोल (द) लिंग भूगोल
2. 'नवनिश्चयवाद' संकल्पना किसने प्रतिपादित की है?
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, मॉडल पेपर, 2022-23); माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2022)
(अ) ग्रिफिथ टेलर (ब) रैटजेल
(स) एलेन सी. सैंपल
(द) पॉल विडाल-डी-लॉ ब्लॉश
3. "मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन है।" मानव भूगोल की उक्त परिभाषा किसने दी?
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, मॉडल पेपर 2021-22)